

फर्द अहकाम

मूरी डेवी

बनाम बालदेव की.

न्यायालय Acm-II

संख्या प्रा.पञ रेस्तोरेशन - 5/2016

| दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|---------------------------|---|---|
| 03/11/19 | <p>पञावली वास्ते डाक्रेषा फेरा हुये। कुलवाप फरीडे उपर। वकील पार्थिवीण द्वारा प्रस्तुत पार्थना पत्र व अवाप पार्थना पत्र का मम मूलवाप अवलोकन किया गया। पार्थना का पार्थना पत्र अन्डर मियाद व मूलवाप में अनुपस्थित का समुचित कारण दर्शाया गया है। उम्मेद अवलोकन पश्चात मूल पार्थना पत्र अवमानना को पुनः नंबर पर लिपा जाना उचित समझते हैं। अतः पार्थिवीण का पार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश व नियम 9 सफाई द्वारा न च्य.प.स. बाबत रेस्तोरेशन जाने अवमानना पत्र स्वीकार किया जाकर मूल पार्थना पत्र पुनः नंबर पर लिमा जाता है। पार्थना पत्र रेस्तोरेशन पर फसल शुमार होकर दर्ज नंबर डे कम होकर संलग्न मूलवाप रहे। निर्णय आष दिनांक 03/11/19 को लिखा जाकर आकर वसरे दुपलास हुनाया गया।</p> | <p>M. M. Wani 3/11/19 (अ.प. - 8/2/19 - 2)</p> |

सहायक कलक्टर एवम् कार्यपालक
मजिस्ट्रेट, जयपुर शहर द्वितीय